Dainik Bhaskar (Indore), 29th December 2022, Page – 04

## आईआईटी इंदौर के दीक्षांत समारोह में 2020 बैच के छात्रों का सम्मान

# छात्र अपनी क्षमताओं पर विश्वास करें यह आगे बढ़ने में मदद करेगी : जोशी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आपने अल्मा मेटर से जो प्रशिक्षण प्राप्त किया, वह आपको व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ के बीच खड़ा होने में मदद करेगा। इसलिए खुद पर और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। यह बात आईआईटी इंदौर के 2020 बैच के सेरेमोनियल दीक्षांत समारोह में आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कही। इसमें में 412 डिग्री प्राप्तकर्ताओं में से 170 उपस्थित थे। इस बैच में 233 बीटेक, 58 एमएससी, 57 एमटेक, 6 एमएस रिसर्च और 58 पीएचडी शामिल हैं। प्रो. अमिताभ घोष, प्लेटिनम जुबली सीनियर साइंटिस्ट, द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत और पूर्व निदेशक IIT खड़गपुर मुख्य अतिथि थे। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. दीपक बी. पाठक ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

### इन विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग से सप्तर्षि घोष को सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की अरुशी जैन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की खुशबू आहूजा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अगम गुप्ता, सिविल इंजीनियरिंग के शैलेष गुप्ता, मेटलर्जी इंजीनियरिंग और मेटेरियल्स साइंस के आशुतोष गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। एमटेक के मनीष बडोले और एमएससी प्रोग्राम की आंचल सक्सेना ने भी रजत पदक प्राप्त किया। श्रीजा तिवारी ने सबसे ज्यादा सीपीआई हासिल करने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला छात्रा के लिए 'बूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल' प्राप्त किया। चैतन्य मेहता को पेड़ पर चढ़ने वाले चतुष्कोणीय रोबोट के डिजाइन और विकास के लिए सम्मानित किया।